राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3815

28 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

घरेलू इस्पात उत्पादन क्षमता को दोगुना किया जाना

3815. श्रीमती विजिला सत्यानंतः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि नई इस्पात नीति, 2017 में यथा परिकल्पित 2030-31 तक घरेलू इस्पात उत्पादन क्षमता को दोगुने से भी ज्यादा करके 300 मिलियन टन तक करने के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि भारतीय इस्पात कंपनियों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनने के क्रम में सस्ते दामों पर कच्चे माल संयोजन की सुविधा की आवश्यकता है; और

(घ) क्या वर्तमान वर्ष भारतीय इस्पात उद्योग के लिए ऐतिहासिक वर्ष साबित होने जा रहा है, क्योंकि गैर-निष्पादनकारी आस्ति संकल्प द्वारा समेकन को सहायता प्राप्त होगी; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में वर्ष 2030-31 तक क्रूड इस्पात की 300 एमटी क्षमता प्राप्त करने का अनुमान भारत की 7.5% अनुमानित वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर तथा जीडीपी के वित्तीय वर्ष 2020 तक 0.8 होने और वित्तीय वर्ष 2020 के पश्चात् 1.0 होने के साथ-साथ इस्पात माँग में लोच पर आधारित है।

(ग): जी हाँ।

(घ) और (ङ): जी हाँ। एनपीए रिजॉल्यूशन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप इस्पात उद्योग अपनी दबावग्रस्त आस्तियों को इस्पात क्षेत्र में उत्पादन, निवेश और विकास हेतु उच्चतर संभावना के लिए उत्पादनकारी क्षमताओं में बदलने के लिए तैयार है।

*****